4/06/25 वकील वादी उप०। वादी के जरिये अधिवक्ता प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर वाद विड्रा करने का निवेदन किया। वादी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है। वादी का वाद विड्रा करने की अनुमति दी जाती है। पत्रावली फैसला शुमार होकर नंबर से खारिज की जाकर दाखिल दफ्तर हो।

Jayendra